जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 | वर्षः 49 संख्याः 168 | प्रभात | कोटा, मंगलवार 2 अप्रेल, 2024 | कोटा/24/2012-14 | पृष्ठ 8 | मूल्य 2.50 रु.

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कोटपूतली में प्रधानमंत्री मोदी की जनसभा की तैयारियों का जायजा लिया। मु. मंत्री भजनलाल ने भाजपा पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिये, साथ ही उन्होंने पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों से भी बातचीत कर सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली।

भावनात्मक मुद्दे की भाजपा की तलाश कच्चातिवु द्वीप प्रकरण से पूरी हुई

प्र.मंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस मुद्दे को डाल कर कांग्रेस को बुरी तरह कोसा

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। सात चरणों में होने जा रहे लोकसभा चुनाव का 19 अप्रैल को फर्स्ट शो होगा। इस दिन तमिलनाडू में वोट डाले जाएंगे। भाजपा के लिए तमिलनाडू अब तक अविजित रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दक्षिण भारत के इस राज्य पर फोकस और अविजित रहने के पुराने मिथक को तोड़ने के दृढ़-निश्चय के कारण यहाँ की राजनीति गर्मा गई है।

एक लम्बे समय बाद यह पहली बार है कि भाजपा यहाँ तीसरी बड़ी राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरी है और एक प्रमुख गठबंधन का नेतृत्व कर रही है। वह एक ऐसी राजनीतिक ताकत बनना चाहती है जो तमिलनाडू में बारी-बारी से सत्ता में आने वाली दोनों द्रविड़ पार्टियों का वर्चस्व समाप्त कर सके।

प्रधानमंत्री ने इस वर्ष और पिछले वर्ष तमिलनाडू के कई दौरे किए। उन्होंने तमिल वोटर्स को लुभाने के लिए ढेर सारे प्रोजैक्ट्स का वादा किया। इन प्रोजैक्ट्स की लिस्ट शायद भाजपा के स्थानीय अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने तैयार की थी। तमिलनाडू के भाजपा प्रमुख

- मोदी ने पोस्ट में कहा, कांग्रेस ने बेरहमी से यह टापू श्रीलंका को दे दिया था, 1974 में। और इंदिरा गांधी के इस कृत्य से भारत की एकता व अखंडता के हितों को भारी धक्का लगा।
- कांग्रेस ने मोदी के इस पोस्ट के जवाब में कहा कि, 1974 में इंदिरा गांधी ने 6 लाख तमिलों को भारत आने की इजाज़त दिलाने के लिये, इस टापू को श्रीलंका की सम्पत्ति मानने की भारत की स्वीकृति दे दी थी।
- यह प्रकरण, तमिलनाडू के मछुआरों से जुड़ा है, अतः तमिल भाषियों के लिये भारी इमोशनल इशू है।
- प्र.मंत्री गत एक साल में कई बार तमिलनाडू आये, पर भाजपा एक इमोशनल मुद्दे की तलाश में थी, तमिलनाडू में अपनी जड़ें जमाने के लिये और अब भाजपा इस मामले को उछाल कर आशा कर रही है कि, ''साउथ इण्डिया'' के अभेद्य किले में सेंध लगाने में कुछ सफलता प्राप्त कर लेगी क्योंकि द्रविड़ पार्टियों ने तो तमिलनाडू में किसी गैर द्रविड़ पार्टी के प्रवेश की संभावना को एकदम खत्म सा कर दिया था।

कोई भावनात्मक मुद्दा तलाश रहे थे और वह मुद्दा उन्हें कच्चातिवु द्वीप में नज़र आया। यह एक छोटा द्वीप है जो भारत और श्रीलंका के बीच स्थित है तथा भारत ने इस द्वीप को वर्ष 1974 में श्रीलंका को सौंप दिया था।

चुनावों से पहले कच्चातिवु द्वीप का मुद्दा छेड़ने से भाजपा को उम्मीद है कि श्रीलंका की नौसेना द्वारा प्रायः परेशान किए जाने वाले तमिलनाडू मछुआरों का भावनात्मक मुद्दा उठ जाएगा। श्रीलंका का दावा है कि उसके समुद्र तट से लगता 285 वर्ग किमी. क्षेत्र उसका है। यह स्थान तमिलनाडू तट से 33 किमी. दूर है और श्रीलंकाई नौसेना अपने कथित क्षेत्र का उल्लंघन करते ही भारतीय मछुआरों को पकड़ लेती है।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा वर्ष 1974 में कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को सौंप दिए जाने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ''ऐक्स'' पर कांग्रेस की कटु आलोचना की। मोदी ने एक अखबार की खबर को उद्धृत करते हुए कहा कि ''एक आर.टी.आई. के जवाब से पता चलता है कि इंदिरा गांधी ने उक्त द्वीप को किस तरह से श्रीलंका के हवाले कर दिया था। यह आँखे खोल देने वाला एवं हैरान कर देने वाला तथ्य है। नए तथ्यों से पता चलता है कि कांग्रेस ने कितनी असंवेदनशीलता से कच्चातिवु श्रीलंका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ज्ञानवापी के दक्षिणी तहखाने में पूजा जारी रहेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार का वाराणसी की ज्ञानवापी मस्ज़िद के दक्षिणी तहखाने में हिन्दुओं

- सुप्रीम कोर्ट ने पूजा की अनुमति देने के हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया और अंजुमन इन्तेज़ामिया मस्जिद कमेटी की याचिका खारिज कर दी।

को पूजा प्रार्थना करन का आदेश जारी करने वाली ट्रायल कोर्ट के आदेश को इलाहाबाद हाई कोर्ट ने अपने फैसले में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब के पूर्व आप सांसद कांग्रेस में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अप्रेल। धर्मवीर गांधी, जो कि पंजाब के पटियाला से

- 2014 में आप के टिकट पर पटियाला से चुनाव जीते धर्मवीर गांधी ने लोकसभा चुनावों से कांग्रेस का दामन थाम लिया है। चर्चा है कि, वे पटियाला से कांग्रेस प्रत्याशी होंगे।

''आप'' के पूर्व सांसद हैं, ने दिल्ली में सोमवार को कांग्रेस वरिष्ठ नेताओं की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री मोदी की आज कोटपूतली में विशाल विजय शंखनाद रैली

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा कोटपूतली पहुंचे और व्यवस्थाओं का जायजा लिया

कोटपूतली, 1 अप्रेल (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को कोटपूतली में विशाल चुनावी जनसभा ''विजय शंखनाद रैली'' को संबोधित कर राजस्थान में अपने चुनाव प्रचार अभियान का शंखनाद करेगें।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी राव राजेन्द्र सिंह के समर्थन में यह रैली जयपुर-दिल्ली राजमार्ग पर ग्राम मोलाहेड़ा के पास एकलव्य डेंटल कॉलेज के सामने मंगलवार दोपहर 12 बजे शुरु होगी। सोमवार को देर शाम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभा स्थल का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

सभा स्थल को प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात एसपीजी एवं अन्य सुरक्षा एजेन्सियों ने अपने कब्जे में ले लिया है। सभा में लाखों लोगों के आने का दावा किया जा रहा है, जिसे सफल बनाने के लिये भाजपा के एक हजार से भी अधिक कार्यकर्ता जुटे हुये हैं। सभा स्थल पर 300 से अधिक मजदूरों ने जुटकर 300 फिट चौड़ा व 550 फिट लम्बा वॉटर प्रूफ डोम टैण्ट बनाया गया है, जिसमें ए.सी. लगे हैं। डोम के बगल में ही, अतिरिक्त डोम टैण्ट लगाये गये हैं। तीन डोम टैंट एक लाख 35 हजार स्कवायर फिट जमीन पर बने हैं बीच के डोम में 8 फिट ऊंचा व 36 बाई 40 फिट का मंच बनाया गया है। इसके अलावा 100 बाई 45 फिट का सेफ हाऊस भी बनाया गया है। लोग प्रधानमंत्री को आसानी से सुन सकें इसके लिये 28 एल.ई.डी. स्क्रीन लगाई गई हैं।

- कार्यक्रम स्थल एस.पी.जी.को हैंडओवर कर दिया गया, सभा स्थल पर उतरे वायु सेना के एमआई-17 हैलीकॉप्टर।
- जयपुर-दिल्ली राजमार्ग पर बहरोड़ से मनोहरपुर तक यातायात बंद रहेगा।
- सभा स्थल पर 300 फिट चौड़ा व 550 फिट लंबा वॉटर प्रूफ डोम बनाया गया है।

सोमवार को जयपुर रेंज आई.जी. उमेश चन्द्र दत्ता, जिला कलेक्टर कल्पना अग्रवाल, एस.पी. वंदिता राणा समेत बड़ी संख्या में पुलिस प्रशासन के अधिकारी सभा स्थल, हैलीपेड व पार्किंग की जिम्मेदारी सम्भालते रहे। प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के काफिले के लिये सड़कें भी बनाई जा रही हैं। समाचार लिखे जाने तक ए.एस.पी. नेम सिंह, डी.एस.पी. राजेन्द्र बुरडक, एस.डी.एम. बृजेश चौधरी, तहसीलदार सौरभ गुर्जर सहित बड़ी संख्या में पुलिस प्रशासन के अधिकारी सभा स्थल पर व्यवस्था सम्भालते हुए नजर आए।

इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी के कोटपूतली आगमन के मिनट टू मिनट कार्यक्रम का रिर्हसल भी किया गया। कार्यक्रम स्थल पर वायु सेना के एम.आई.-17 हैलीकॉप्टर भी उतरे। सभा स्थल से 200 मीटर दूर पी.डब्ल्यु.डी. द्वारा चार हैलीपेड बनाये गये हैं। तीन हैलीपेड पर प्रधानमंत्री व सुरक्षा दस्तों के हैलीकॉप्टर लैण्ड करेंगे जबकि, एक हैलीपेड को रिजर्व रखा गया है। बताया जा रहा है कि, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का हैलीकॉप्टर राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविद्यालय स्थित हैलीपेड पर ही उतरेगा। जहाँ से सड़क मार्ग द्वारा मुख्यमंत्री का काफिला सभा स्थल पहुँचेगा। प्रधानमंत्री का हैलीकॉप्टर जनसभा स्थल के पीछे बने हैलीपेड पर उतरेगा। वहाँ से गाड़ी से वे कार्यक्रम में पहुँचेगें। इसके लिये रैड कारपेट भी बिछाया गया है।

जनसभा को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। सोमवार को दिनभर विभिन्न विभागों की बैठकों का आयोजन जारी रहा। कार्यक्रम में एम्बुलेंस, फायर बिग्रेड की व्यवस्था भी रहेगी। आमजन के लिये पीने के पानी की भी बेहतर व्यवस्था के निर्देश दिये गये हैं।

व्यवस्थाओं को लेकर कार्यक्रम स्थल पर ही सोमवार को पुलिसकर्मियों की बैठक आयोजित हुई। व्यवस्था के लिए आसपास के जिला एस.पी. सहित करीब 10 ए.एस.पी., 20 डी.एस.पी., 50 पुलिस निरीक्षक, 200 एस.आई. व ए.एस.आई., 300 हैड कांस्टेबल मिलाकर करीब 1500 से अधिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसके अलावा राजमार्ग सहित कस्बे के विभिन्न रूटों पर भी ट्रैफिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'लोकसभा चुनावों तक कांग्रेस से कोई वसूली नहीं होगी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। आयकर विभाग ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि, वह लोकसभा चुनाव होने तक कांग्रेस को जारी 3500 करोड़ रूपये से अधिक के कर वसूली मांग नोटिसों की वसूली तथा उसे जबरदस्ती वसूलने के लिए कोई दण्डात्मक कार्यवाही नहीं करेगा।

आयकर विभाग की तरफ से कोर्ट में पैरवी कर रहे सॉलिसिटर जरनल तुषार मेहता ने कोर्ट को भरोसा दिलाया

- आयकर विभाग ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया।

कि, जब तक इस मामले का अंतिम निपटारा नहीं होता तब तक वह इस पर तत्काल कोई कार्यवाही नहीं करेगा।

न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना व ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बैंच ने सुनवाई के दौरान मेहता के बयान को रिकॉर्ड कर लिया और कांग्रेस की टैक्स मांग नोटिसों क खिलाफ याचिका की अगली सुनवाई जुलाई में तय की।

आयकर विभाग का पक्ष स्पष्ट करते हुए मेहता ने कहा, ''कि मैं इस मामले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केजरीवाल को पन्द्रह दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया

केजरीवाल के आग्रह पर उन्हें तीन पुस्तकेंः रामायण, महाभारत व नीरजा चौधरी की किताब ''हाओ प्राइममिनिस्टर्स डिसाइड'' दी गयी है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अप्रैल। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को सोमवार को राउज़ एवेन्यू कोर्ट द्वारा 15 अप्रैल तक 15 दिनों की न्यायिक हिरासत में तिहाड़ जेल भेज दिया गया। शराब नीति घोटाले में एनर्फोसमैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) की हिरासत अवधि के समाप्त होने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था।

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल, एस.वी. राजू ने सुनवाई के दौरान केजरीवाल पर सहयोग न करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने अपने मोबाइल का पासवर्ड अभी तक नहीं बताया है। अदालत ने केजरीवाल के वकील की कुछ दवाइयों और तीन किताबों रामायण, महाभारत और नीरजा चौधरी की किताब ''हाउ प्राइम मिनिस्टर्स डिसाइड'', उपलब्ध कराने की मांग को मान लिया।

- केजरीवाल तिहाड़ जेल की जेल नम्बर 2 में रहेंगे। जेल नम्बर 1 में मनीष सिसोदिया, जेल नम्बर 7 में सत्येन्द्र जैन रह रहे हैं।
- केजरीवाल चार बजे बाद अपनी वकील से मिल सकेंगे।

केन्द्रीय वाणिज्य मंत्री पीयुष गोयल जो कि राज्यसभा में सदन के नेता हैं, ने कहा, ''हमने केजरीवाल को जेल में नहीं डाला है, जिन्होंने गलतियाँ की हैं, उनके साथ कानून न्याय कर रहा है।

केजरीवाल को तिहाड़ में जेल संख्या 2 में अकेले रखा गया है। यहाँ से आप सांसद संजय सिंह को शिफ्ट कर दिया गया है।

दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जेल संख्या 1, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन जेल संख्या 7, भारत राष्ट्र समिति की नेता के. कविता, महिला खण्ड की जेल संख्या 6 में हैं।

अरविन्द केजरीवाल की दिनचर्या अन्य कैदियों की भांति, प्रातः 6:30 बजे से शुरु होगी। नाश्ते में उनको चाय और डबल रोटी मिलेगी। 10:30 बजे उन्हें पाँच चपातियाँ, दाल, सब्जी और चावल मिलेगा। 3:30 बजे उनको चाय और 2 बिस्किट मिलेंगे। 4:00 बजे से वह अपने अधिवक्ताओं और अन्य आगंतुकों से मिल सकेंगे। 5:30 बजे शाम को रात्रि भोजन के लिए उन्हें दाल, सब्जी, पाँच रोटियाँ और चावल मिलेगा। उनको शाम 7:00 बजे वापस अपनी कोठरी (सैल) में जाना होगा।

जेल अधिकारियों ने कहा कि वो अन्य कैदियों की तरह लगभग 20

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार बदलते ही बिल्डर्स व अन्य बिज़नैसमैन के झूठे-सच्चे, कुछ जैनविन पर अधिकतर विवादित काले धंधे उजागर होने का सिलसिला जोर-शोर से शुरू होता है

इन आरोप-प्रत्यारोप की बाढ़ से तो लगता है, शायद झूठे-सच्चे काम और मुकदमों के बीच के लोग काम कैसे करते हैं

जयपुर, 1 अप्रेल। प्रदेश में सत्ता पलट के साथ-साथ यह अपेक्षित ही था कि उद्योगपतियों व बिल्डर्स के बीच रंजिशों की खबरें अब उजागर होंगी। यह अपेक्षित इसलिए है क्योंकि व्यापारी या उद्योगपति सत्ता में आए नेताओं के साथ मेलजोल बनाकर रखते हैं ताकि उन पर व उनके व्यवसाय पर सरकार की सुदृष्टी बनी रहे और साथ ही प्रतिद्वंदी की कुदृष्टि से संरक्षण भी मिले। इसीलिए इस बार भी सरकार बदलते ही व्यापार व उद्योग के दबे हुए राज व रंजिशें सार्वजनिक होने लगी हैं।

सिल्वर सॉइल इण्डस्ट्रियल पार्क प्राइवेट लिमिटेड ऐसा ही एक प्रकरण है। इस प्रकरण में एक तरफ है, कंपनी के डायरेक्टर सत्य नारायण गुप्ता और दूसरी ओर कंपनी के अन्य निदेशक तारा चंद चौधरी, अशोक मूंदडा और भवानी शंकर सामोता (आर.सी.ए. सचिव) है।

प्रदेश में सत्ता पलट होने के बाद ही सिल्वर सॉइल कंपनी के निदेशक एस.एन. गुप्ता ने इस कंपनी में चल रहे विवादों को सार्वजनिक किया। उनके अनुसार सिल्वर सॉइल इण्डस्ट्रियल पार्क आई.टी. इंडस्ट्री, कृषि पर आधारित फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स तथा अन्य इण्डस्ट्रियों के लिए लगभग 200 बीघा भूमि का प्रोजेक्ट था। एस.एन. गुप्ता के अनुसार उस भूमि को अदालतों की अवहेलना करते हुए हड़पने की साजिश की गयी है। यह पूरा प्रकरण क्या है जानने के लिए सिल्वर सॉइल इण्डस्ट्रियल पार्क प्राईवेट लिमिटेड के निदेशकों के बीच रंजिश को समझना होगा और इस कम्पनी की स्थापना के उद्देश्य व कम्पनी में समय समय पर बदलती निदेशकों की शेयर होल्डिंग की जानकारी भी जरूरी है।

- नयी सरकार आने से, इन व्यापारियों के पुराने प्रशासन से नजदीकी संबंध अर्थहीन से हो जाते हैं। और नये हुक्मरानों से संबंध बनाने के लिये, एक दूसरे की बुराइयाँ व गैर-कानूनी हरकतों व काम-काज को उजागर किया जाता है। यह साबित करने का प्रयास होता है कि, हम ''शुद्ध पाक व उज्ज्वल'' हैं तथा प्रतिद्वंदी का कारोबार झूठ व फरेब पर आधारित है और पूर्णतया गैर कानूनी तरीके से स्थापित किया गया है और पनपाया गया है।
- सिल्वर सॉइल इण्डस्ट्रियल पार्क लिमिटेड का प्रकरण इस मनोवृत्ति का सजग उदाहरण है, जो अब न्यायालय व कम्पनी लॉ बोर्ड आदि में घूम रहा है।
- न्यायालय की भूमिका भी आसान नहीं, क्योंकि पहले तो समझना ही मुश्किल होता है कि, प्रकरण को किस छोर से समझना शुरू किया जाये और फिर जैसे-जैसे गहराई में उतरा जाता है तो लगता है, दोनों ही पार्टियों की कुछ-कुछ बातें सही हैं, कुछ-कुछ मनगढ़ंत और काफी कुछ गैर कानूनी। पर, काम इसलिये चल रहा था कि, सरकार की शुभ दृष्टि कभी एक पर थी और कभी दूसरे पर, और कुदृिष्ट, शुभ दृष्टि के आधार जायज़-नाजायज़ और नाजायज़-जायज़ मान लिया जाता है।
- पर, एक आशा की किरण दिखती है, जैसे-जैसे नयी सरकार के पैर जमेंगे, ये किस्से कहानियाँ, मुकदमे आदि, भी अपने आप खत्म या गायब होने लगेंगे और नया ऑर्डर स्थापित हो जायेगा।

एस.एन. गुप्ता द्वारा प्रस्तुत विवरण के अनुसार इस कम्पनी की स्थापना के समय एस.एन.गुप्ता और टी.सी. चौधरी के बीच 50-50 प्रतिशत की भागीदारी रखने का निर्णय लिया गया था। परंतु नवम्बर 2012 को उक्त कम्पनी में अशोक मूंदडा को भी अतिरिक्त निदेशक बनाया गया क्योंकि उन्होंने कंपनी में निवेश किया था और कंपनी के उपयोग के लिए फंड उपलब्ध कराया था। कंपनी में नए निवेश की वजह से कंपनी की भागीदारी में भी फेरबदल किया गया, जिससे टी.सी. चौधरी की भागीदारी 33 प्रतिशत ही रह गई और एस.एन. गुप्ता की भागीदारी 67 प्रतिशत हो गई, परंतु कंपनी में हुए निवेश के लिए अनुबंध के अनुसार एस.एन. गुप्ता अपने शेयर होल्डिंग का आधा हिस्सा, यानि सिल्वर सॉइल इण्डस्ट्रियल पार्क लिमिटेड की 33 प्रतिशत शेयर होल्डिंग अशोक मूंदडा के पास गिरवी रखेगें।

एस.एन. गुप्ता द्वारा वर्णित घटनाक्रम के अनुसार 28 मार्च 2014 तक ही अशोक मूंदडा उक्त कंपनी में अतिरिक्त निदेशक के पद पर रहे। उन्होंने बताया कि उक्त कंपनी की एनुअल जनरल मीटिंग (ए.जी.एम.) में अशोक मूंदडा की कंपनी में अतिरिक्त निदेशक के पद पर नियुक्ति को सत्यापित नहीं किया गया और नियमानुसार कंपनी में उनकी भागीदारी खत्म हो गई परंतु उनके पास कंपनी के 33 प्रतिशत शेयर गिरवी रखे हुए थे।

एस.एन. गुप्ता द्वारा बताए गए घटनाक्रम के अनुसार 12 जनवरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)